

शेयर बज़ार में निवेश

श्याम सुंदर गोयल

अपने छोटे से निवेश को करोड़ों में कैसे बदले

शेयर बाजार में निवेश
अपने निवेश को करोड़ों में कैसे बदलें

श्याम सुंदर गोयल

आभार

सबसे पहले मैं धन्यवाद करता हूँ अपने परम पिता परमात्मा, माता-पिता तथा गुरुओं का, जिनकी कृपा से यह पुस्तक लिख पा रहा हूँ। इसके साथ मैं उन साथियों का धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस पुस्तक को लिखने की प्रेरणा दी तथा इस पुस्तक में किसी भी प्रकार से योगदान दिया।

इसके साथ ही मैं धन्यवाद करना चाहता हूँ अल्वर्ट आइंस्टाइन का, जिन्होंने कहा था कि पावर ऑफ कम्पाउंड दुनिया का आठवाँ आश्चर्य है। यह पुस्तक आपके निवेश को पावर आफ कम्पाउंडिंग के माध्यम से बढ़ाने तथा समझाने का प्रयास है।

वास्तव में पावर और कम्पाउंडिंग दुनिया का आठवाँ आश्चर्य है। इसके द्वारा अपने छोटे से निवेश को कई गुना बढ़ा सकते हैं और इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

प्रस्तावना

‘शेयर बाजार में निवेश’ अत्यन्त ही प्रभावशाली पुस्तकों में से एक है, जो आपको आर्थिक समृद्धि की राह पर ले जाती है। आप अपने कुछ हजार रुपयों को निवेश करके कैसे उन्हें करोड़ों में बदल सकते हैं, इस पुस्तक में आपको यही बताने का प्रयास है।

इस पुस्तक में हमने चक्रवृद्धि के नियम को निवेश के साथ जोड़ने का प्रयास किया है। वास्तव में यह चक्रवृद्धि का नियम दुनिया का आठवाँ अजूबा ही है, यह एक ऐसा चमत्कार है, जिसकी ताकत को आप इस पुस्तक के माध्यम से जान पाएँगे।

यह पुस्तक वास्तव में एक प्रैक्टिकल या वास्तविक है, जो आपको आपके निवेश को करने में सहायक होगी तथा आपके निवेश को समय के साथ बढ़ाने का भी ज्ञान देगी। इसके माध्यम से आपको हर निवेश को आसानी से करना समझाया गया है, जिससे आप अपने जीवन में निवेश करना आसानी से समझ सकें।

जैसा कि हमने इस पुस्तक का नाम शेयर बाजार में निवेश रखा है तो हम इसमें आपको समझाएँगे और बताएँगे कि निवेश को कैसे समृद्धि में बदला जा सकता है, साथ ही इसमें हमने समृद्धि के सिद्धान्तों को भी समझाया है, जो आपको बहुत ही समृद्ध बनाने में मार्गदर्शक होंगे।

आपने यह पुस्तक लेकर यह साबित कर दिया है कि आप अपने निवेश को समृद्धि में बदलने की या करोड़ों में बदलने की चाह रखते हैं। आप अपने निवेश को बढ़ाने की चाह रखते हैं, आप समृद्ध बनने में रुचि रखते हैं और आप वे सारी चीजें हासिल करना चाहते हैं, जो आपको लगता है कि आपके पास होनी चाहिए, यह सफलता का एक अद्भुत गुण है। आप का मार्ग दिन-प्रतिदिन अपार समृद्धि की तरफ अग्रसर हो।

अन्त में मैं एक बार फिर उन सबका हृदय से आभार अदा करना चाहता हूँ, जिन्होंने मुझे यह पुस्तक लिखने की प्रेरणा दी तथा इस पुस्तक को आपके सामने लाने में किसी भी तरह का कोई सहयोग दिया। इसके साथ मैं परम पिता परमात्मा, अपने माता-पिता वा गुरुओं के चरणों में नमन करता हूँ।

अनुक्रम

आभार	5
प्रस्तावना	7
निवेश करें करोड़ों बनाएँ	11
इस पुस्तक की विशेषता	14
शेयर मार्केट में निवेश	17
वॉरिन बफेट	18
वॉरिन बफेट के शेयर बाजार में पैसे कमाने के 10 अद्भुत मंत्र	20
राकेश झनझुनवाला 5000 रुपये को 15000 करोड़ में बदला	23
विजय केडिया 35000 से 650 करोड़ तक का सफर	25
विजय केडिया की सफलता के मंत्र	27
शेयर बाजार % एक चक्रव्यूह	31
शेयर बाजार	34
शेयर क्या होते हैं ?	36
शेयर बाजार में निवेश क्या होता है ?	37
शेयर बाजार में पूँजी की सुरक्षा	41
कम्पनी क्या होती है ?	44
संसेक्स	30 46
निफ्टी	50 48
ब्लू चिप	100 50
अच्छी कम्पनियों का चयन कैसे करें	53
शेयर होल्डर के अधिकार	54
शेयर मार्केट के दो रूप बुल मार्केट और बीयर मार्केट	55
फ्यूचर्स	57
ऑप्शन्स	58
निवेश के पूर्व शेयर की जाँच-पड़ताल	59
शेयर बाजार और इनकम टैक्स	62
मुद्रास्फीति	64
के-वाई-सी- क्या है।	65
संक्षेप में शेयर बाजार	67

निवेश करें करोड़ों बनाएँ

इस दुनिया में आज भी चमत्कार होते हैं, पर अगर आप निवेश की बात करते हैं तो उसमें भी एक चमत्कार है, जो आज भी आप देख सकते हैं, जो यह है।

चक्रवृद्धि यव्वउचवनदकपदहृद्ध का चमत्कार

एक गाँव में एक कवि रहता था। एक बार उसकी हालत इतनी खराब हो गयी की घर में खाने के लाले पड़ गये। उसने राजा के पास जाकर मदद माँगने की सोची।

राजा के पास जाकर उसने अपनी कविताएँ सुनानी शुरू कर दीं। राजा खुश हुआ और उसे इनाम माँगने को कहा। कवि ने राजा की शतरंज की ओर इशारा करते हुए कहा कि अगर आप पहले खाने पर एक चावल का दाना रख दो और दूसरे पर उससे दुगुना करते जाओ और जो अन्तिम खाने में आए, वह मुझे दे दो।

राजा ने कहा बस कुछ चावल और कुछ बहुमूल्य वस्तु माँग लो। मैं प्रसन्न हूँ, दे दूँगा। तब कवि ने कहा मुझे बस यही दे दो तो मेरे लिए पर्याप्त होगा। राजा ने कहा यह जो माँगते हैं, दे दिया जाए और हिसाब लगाना शुरू हो गया।

पहले एक दाना, दूसरे पर दो, तीसरे पर चार, चौथे में आठ, इस तरह से रखते गये दसवें खाने में 512 चावल आये। बीस खाने में वो संख्या बढ़कर 5,24,288 हो गई, 32वें खाने में चावल की गिनती 214,74,83,648 214 करोड़ 74 लाख 83 हजार 648 हो गई। 64वें खाने पर आते-आते वह संख्या 92,23,37,20,36,85,47,80,000 हो गई और आखिर में राजा को अपना सारा राज्य छोड़ना पड़ा (अर्थात् 92 शंख 23 पदम 37 नील 20 खरब 36 अरब 85 करोड़ 47 लाख 80 हजार है।)

चक्रवृद्धि का नियम वास्तव में इस दुनिया में दिखाई देने वाला सबसे महत्वपूर्ण सिद्धान्त है। अगर आप निवेश की बात करें तो सबसे पहले आपको यह समझना होगा कि निवेश में चक्रवृद्धि के चमत्कार को कैसे उपयोग कर सकते हो।

इस पुस्तक के माध्यम से हम आपको कुछ महत्वपूर्ण निवेशों के बारे में बताएँगे और किसमें कैसे चक्रवृद्धि के सिद्धान्त का प्रयोग कर सकते हो और यह भी बताएँगे उस निवेश के द्वारा ज्यादा-से-ज्यादा फायदा कैसे उठा सकते हो।

इस पुस्तक की विशेषता

यह पुस्तक आपको सिखाएगी कि किस तरह छोटा-सा निवेश करोड़ों में बदला जा सकता है। इस पुस्तक के माध्यम से आप पाएँगे कि किस तरह से हम निवेश करके करोड़ों बना सकते हैं?

हमने इस पुस्तक में शेयर मार्किट के बारे में बताया गया है। इस पुस्तक के माध्यम से आप शेयर बाजार में प्रचलित तरह के निवेशों के बारे में जानेंगे और इसमें निवेश करके किस प्रकार उसका भरपूर फायदा उठाएँगे और देखेंगे किस प्रकार एक छोटे-से निवेश को भी करोड़ों में कैसे बदला जा सकता है।

यह पुस्तक किसके लिए उपयोगी है

यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए उपयोगी है, चाहे वह सर्विस कर रहा हो या व्यवसाय में है, चाहे वह किसी भी प्रोफेशन में हो। आप स्टूडेंट हैं या गृहिणी या भले ही काम चाहे जो भी हो अथवा आपकी उम्र अभी छोटी हो या 60 साल से अधिक हो, चाहे आप गाँव में रहते हैं या शहर में रहते हैं।

इस पुस्तक के माध्यम से हम आपको यह बताना चाहते हैं कि निवेश के सिद्धान्तों में उम्र का, प्रोफेशन का, स्थान का कोई लेना-देना नहीं है। हर वह व्यक्ति, जो निवेश करना चाहता है या वह निवेश कर रहा है और वह अपने छोटे-छोटे निवेश को करोड़ों में बदलने की इच्छा रखता है और जो करोड़ों को अरबों में बदलना चाहता है, वह इस पुस्तक के माध्यम से कुछ प्रचलित तरीकों में निवेश करके अपने करोड़ों को अरबों में बदल सकता है। इस पुस्तक का उद्देश्य आपको निवेश करने का सही नजरिया दिखाना तथा आपका उचित मार्गदर्शन करना है।

शेयर मार्केट में निवेश

भारत में शेयर बाजार में लगभग 5600 कम्पनियाँ पब्लिक लिमिटेड हैं। कम्पनियों का कुल मार्केट केपिटलाइजेशन 2 (आज भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन 2 ट्रिलियन यज्त्पससपवदद्ध डॉलर 2000 बिलियन डॉलर का है। (एक बिलियन डॉलर 100 करोड़ डॉलर और 6450 करोड़ रुपये) अर्थात् 129,00,000 करोड़।) रुपये 130,00,000 करोड़ रुपये।

एक डालर की कीमत यदि हम 65 रुपये लगाते हैं तो लगभग 130 लाख करोड़ होता है, जबकि भारत की जी-डी-पी- 2016 में 2-2 लाख करोड़ डॉलर थी।

भारत में सेंसेक्स में 30 चुनिंदा कम्पनी हैं जो शीर्ष पर आती है। उन्हें सेंसेक्स में शामिल किया जाता है और जो 50 कम्पनी टॉप पर रहती हैं, उन्हें निफ्टी में शामिल किया जाता है और भारत में 100 ब्लू चिप कम्पनी की एक कैटेगरी है, हम आगे विस्तार से इनके बारे में बताएँगे।

भारत में सेंसेक्स की कम्पनी का मार्केट केपिटलाइजेशन मई, 2017 में लगभग 50,98,683-69 करोड़ है, निफ्टी की कम्पनी तथा मार्केट केपिटलाइजेशन 65,66,191-29 करोड़ है। 100 कम्पनी का केपिटलाइजेशन 87,13,615-71 करोड़ है।

सामान्यतः% ऐसा माना गया है कि आप अपनी सेविंग्स का एक हिस्सा शेयर बाजार में निवेश कर सकते हैं, अपनी आयु को ध्यान में रखकर। उदाहरण के तौर पर एक व्यक्ति यदि 40 साल का है तो वह अपनी बचत का 60 प्रतिशत शेयर बाजार में निवेश कर सकता है और अगर वह 60 साल का है तो वह अपनी बचत का 40 प्रतिशत शेयर बाजार में निवेश कर सकता है।

वॉरेन बफेट

वॉरेन बफेट की नेटवर्थ 480525 करोड़ रुपये।

शेयर बाजार से आय 247 करोड़ रुपये प्रतिदिन।

वॉरेन बफेट वर्कशायर हैथवे (ठमतीपतम भुंजींूल) के मालिक और शेयर बाजार के सबसे बेहतरीन निवेशकों में से एक माने जाते हैं। फोर्ब्स के अनुसार वॉरेन दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं और आज उनकी लगभग प्रतिदिन 247 करोड़ रुपये की आय है।

वॉरेन बफेट का जन्म 30 अगस्त, 1930 में नेब्रास्का अमोहा, अमेरिका में हुआ था। उनके पिता का नाम हार्वर्ड बफेट है और उनकी माता का नाम लीला स्टॉल है। उनके पिता भी शेयर बाजार में निवेशक थे। वॉरेन ने वॉशिंगटन डी-सी- के बुड्रो विल्सन हाई स्कूल से अपनी शिक्षा पूरी की। पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल से उपाधि लेने के बाद इन्होंने कोलम्बिया स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से प्रबंधन की पढ़ाई की।

बफेट ने अपने व्यवसाय की शुरुआत मात्र 15 साल की उम्र में कर दी थी। 1942 में उन्होंने अपना पहला इनकम टैक्स भरा। उन्होंने एक पीनबाल मशीन को खरीदा और एक सैलून में हिस्सेदारी के साथ रख दिया और कुछ ही महीनों में वॉरेन एक से बढ़कर तीन पीनबाल के मालिक हो गए थे।

उनकी पत्नी का नाम सुसान बफेट है तथा उनके बच्चों का नाम पिटर बफेट और सुसान एलिस बफेट है। वॉरेन को सही मायने में काम करने का अवसर तब मिला, जब बेंजामिन ग्राहम ने उन्हें अपनी फर्म में नौकरी पर रखा। इसी नौकरी के दौरान ही उन्हें शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव के फायदे को समझने का अवसर मिला।

एक बार बफेट ने अपना काम शुरू करने की योजना बनाई और बफेट पार्टनरशिप लिमिटेड के नाम से निवेश फर्म बनाई। इसी फर्म से वॉरेन बफेट ने अपनी कमाई से पहला घर 31 हजार 500 डॉलर में खरीदा। इसके बाद वॉरेन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और 1962 आते-आते महज 32 साल की उम्र में अमेरिका को एक नया करोड़पति मिल चुका था।

वारेन बफेट की नेटवर्थ 4,80,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी है। उन्होंने वर्कशायर हैथवे कम्पनी की स्थापना की और कंपनी में शेयर्स को खरीदना शुरू कर दिया और 1965 तक इस कंपनी का नियंत्रण उन्होंने अपने हाथों में ले लिया।

इस कारनामे को अंजाम देते वक्त उनकी उम्र 35 साल की थी। 1979 पहला साल था, जब वारेन का नाम पहली बार फोर्ब्स की अमीरों की सूची में आया। उन्होंने सफलता शब्द को भी बहुत छोटा बना दिया। उन्हें सर्वकालिक महान पूँजी प्रबंधक स्वीकार कर लिया गया।

2008 में उन्होंने बिल गेट्स को पछाड़ते हुए दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति होने का खिताब भी अपने नाम कर लिया। 75 साल की उम्र में उन्होंने अपने रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन के नाम कर दिया।

वारेन बफेट के शेयर बाजार में पैसे कमाने के 10 अद्भुत मंत्र

इन्होंने शेयर बाजार से लगभग 73 बिलियन डॉलर रुपये बनाये हैं, जिसका भारत के हिसाब से मूल्यांकन 4,80,525 करोड़ रुपये है। वारेन बफेट के धन कमाने के 10 जादूई मंत्र।

(1) लाभ का निवेश करें। बूँद-बूँद से सागर बनता है, इसलिए अगर छोटी-छोटी रकम की बचत की जाए तो एक समय यह एक बड़ी सम्पत्ति के रूप में तब्दील हो जाएगी। बहुत से लोग लाभ का निवेश करने के बजाय उसे अपनी जरूरतों में लगा देते हैं, जबकि वारेन बफेट का मंत्र यह है कि अगर लाभ का 50 प्रतिशत हिस्सा फिर से निवेश किया जाए तो इससे आपके व्यवसाय में काफी बढ़ोत्तरी होगी। अगर आपने मुनाफे की आदत डाल ली तो चक्रवृद्धि व्याज का जादू आपको अमीर बनाता जाएगा।

(2) लीक से हटकर चलें। शेयर मार्किट या अपने व्यवसाय में अगर आप लीक से हटकर चलेंगे तो आपको इससे बहुत फायदा होगा, क्योंकि उससे आपकी एक नयी पहचान विकसित होगी। लीक से हटकर चलने के लिए आपको अपनी मौलिक सोच को विकसित करना होगा। निवेश का कोई भी निर्णय दूसरे के कहने पर लेने की जगह अपने विवेक के आधार पर लें, जिससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आपको अपनी सोच के बारे में भी पता चलेगा कि किस जगह काम सही या गलत होगा।

(3) दुविधा से बचें। जो लोग दुविधा की स्थिति में फँसे रहते हैं, वे आसानी से सुनहरे अवसर को भी गँवा बैठते हैं। निवेश का फैसला तेजी से लें और इसके लिए उपलब्ध सूचनाओं की पड़ताल करें। निवेश के लिए शुरुआत में आपको जल्दी फैसले लेने में दिक्कत होगी, लेकिन जल्द ही आप शीघ्र फैसले लेने के फायदे को समझ जाएँगे।

(4) निर्णय लेने से पहले सौदे को समझ लें। कोई भी निर्णय लेने से पहले सौदे को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए। सौदे से आपको किस तरह का फायदा हो सकता है, इस बात पर अच्छी तरह से विचार कर लें। किसी भी कागज पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे अच्छी तरह पढ़ लें। निर्णय करने की जल्दबाजी में लोग कुछ महत्वपूर्ण चीजों को फिर से चेक करना भूल जाते हैं। इससे निवेश के कार्य में आपको जल्दबाजी के साथ विवेक का भी उपयोग करना होगा, जो आपको अनुभव के साथ आता जाएगा।

(5) छोटे खर्चों पर नियंत्रण रखें। अगर आपको ऐसा लगता है कि आप बड़े खर्चों को नियंत्रण में लाकर निवेश में सफल हो सकते हैं तो आपकी यह अवधारणा गलत है, क्योंकि बहुत बार छोटे-छोटे खर्च आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकते हैं, कोई भी खर्च करने से पहले विचार करें कि आपको क्या ऐसा करना उचित रहेगा या नहीं। जिस तरह बूँद-बूँद पानी निकलने से सागर खाली भी हो सकता है, उसी तरह छोटे-छोटे खर्च मिलकर इतने बड़े हो जाते हैं कि वे आपको अमीर बनाने के सपने को कभी पूरा नहीं होने देते।

(6) कर्ज को नियंत्रित करें। अगर आप कर्ज और क्रेडिट कार्ड के सहारे जीने की आदत डालेंगे तो कभी अमीर नहीं बन पाओगे। कर्ज के जरिए भले ही आप अपनी जीवन-शैली में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन कर्ज के बोझ तले दबकर आप अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार नहीं ला सकते हैं। कई निवेशक खूब सारा पैसा

बैंकों से उधार ले लेते हैं, लेकिन बाद में उनका केवल उधार चुकाने में सारा जीवन निकल जाता है। उधार उतना ही लें, जितना आप एक निश्चित समय में चुका सकें।

(7) निरंतरता बनाए रखें—अगर आप ऐसा सोचते हैं कि जो काम आप कर रहे हैं, वह महत्वपूर्ण और सही है, तो निरंतरता बनाए रखें। अपने लक्ष्य की दिशा में मजबूती के साथ कदम बढ़ाते रहें। निरंतरता जीवन के हर व्यवसाय या कार्य में जरूरी है। जब तक कोई तार्किक या बड़ी वजह न हो, चीजों को बीच में ही नहीं छोड़ देना चाहिए, ऐसा करने से कुछ हासिल नहीं होता है, बल्कि आपने पहले से जो समय और धन लगाया है, उसका भी नुकसान हो जाता है।

(8) नुकसान से दूर रहें—किसी भी निवेश के दौरान आपको यह लगे कि आपका नुकसान हो रहा है तो तुरंत उससे अलग हो जाने का निर्णय बना लें। हाथ-पर-हाथ धरे बैठकर रहने का अर्थ है और भी अधिक नुकसान का सामना करना। कई निवेशक अंतिम समय तक इंतजार करते हैं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है, इसलिए नुकसान के सौदे में समय से पहले ही अपने हाथ खड़े कर देने चाहिए।

(9) जोखिम का आकलन करें—जब भी आप निवेश का कोई निर्णय लेना चाहें तो सबसे पहले भावी परिणामों के बारे में विचार करें। जोखिम का आकलन करें, क्योंकि जोखिम का आकलन करने पर ही आप उचित निर्णय ले सकते हैं। हर इंसान की जोखिम लेने की अपनी क्षमता होती है, आप दूसरों को देखकर अपने निवेश का फैसला न करें, बल्कि अपनी जोखिम क्षमता यत्न। चमजपजमद्ध के हिसाब से निवेश करें।

(10) सफलता का सही अर्थ समझें—प्रत्येक व्यक्ति के लिए सफलता के अलग-अलग मायने होते हैं। केवल पैसे जमा करना ही सफलता नहीं है। जिन बातों से जीवन अर्थपूर्ण बनता है, उन बातों की तरफ ध्यान देना भी सफलता का अहम हिस्सा होता है। आप जिन लोगों का प्यार पाना चाहते हैं, उनमें से कितने लोग वास्तव में आपको प्यार करते हैं, इसी बात से सच्ची सफलता को समझा जा सकता है। आप अपने निवेश को अपनी सफलताओं से जोड़कर देखें और अपनी यत्नअमेजउमदज ैजतंजमहलद्ध में लगातार सुधार करते हुए सफलता प्राप्त करें।

राकेश झनझुनवाला

5000 रुपये को 15000 करोड़ में बदला

राकेश झनझुनवाला का जन्म 5 जुलाई, 1960 में मुंबई में हुआ था। जब राकेश 15-16 आयु के थे, उनके पिता जी का थोड़ी-बहुत रुचि शेयर बाजार में थी। उन्हें देखकर राकेश के मन में शेयर बाजार के प्रति रुचि आने लगी।

एक दिन राकेश ने पिताजी से पूछ लिया कि शेयर बाजार में भाव ऊपर-नीचे कैसे होते हैं? तो उनके पिता ने कहा—अखबार पढ़ा कर, जिस कंपनी के बारे में न्यूज आई है, उस कंपनी के शेयर के भाव ऊपर-नीचे होंगे।

उस दिन राकेश को शेयर मार्केट के बारे में पहली सीख मिली थी। तभी से राकेश की रुचि शेयर मार्केट में बढ़ने लगी। वे अलग-अलग कंपनियों के बारे में पढ़ने लगे और जानकारी लेने लगे। उन्होंने अपनी स्नातक की डिग्री सीडनिहैम कालेज से पूरी की।

राकेश ने अपने पिता से स्टॉक मार्केट में जाने की इच्छा जताई, तो उनके पिता ने कहा कि तुम्हें जो करना है, वह करो, लेकिन पहले प्रोफेशनल शिक्षा प्राप्त करो। तब उन्होंने बी। की पढ़ाई पूरी की और तो उन्होंने अपने पिता से कहा कि मुझे शेयर बाजार में जाना है तो पिताजी बोले कि उसके लिए मैं पैसे नहीं दूंगा और तुम अपने दोस्तों से भी पैसे नहीं लोगे।

इस तरह राकेश 1985 में शेयर बाजार में आ गए, जब टैम् ैमदेमग 150 अंक पर था। उनके पास निवेश करने के लिए पैसे नहीं थे। तब उनसे जितना हो सका, उतनी बचत करके 5000 रुपये से अपना पहला निवेश किया।

राकेश ने अपनी मेहनत और काबिलीयत के दम पर 1986 में अपना पहला बड़ा मुनाफा कमाया। उन्होंने

टाटा टी कम्पनी के 5000 शेयर्स, जो 43 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे थे, उन्हें 3 महीने बाद ही 143 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बेच दिया, जिसके कारण राकेश ने 5 लाख रुपये का मुनाफा कमाया।

उसके बाद सन् 1986 से 1989 के बीच में राकेश ने 20 से 25 लाख रुपये का लाभ कमाया। राकेश ने सन् 2002-03 में टाइटन कम्पनी में 6 करोड़ शेयरों को 3 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदा और बाद में उन शेयरों की कीमत 390 रुपये प्रति शेयर हो गई, जिसके कारण उनका निवेश 2300 करोड़ रुपए के पार चला गया था।

राकेश जी का यह कहना है कि शेयर बाजार में तेजी के समय सबका फायदा और मंदी के समय नुकसान होता है। इसलिए यह बात मायने नहीं रखती कि मैं अमीरों की लिस्ट में हूँ कि नहीं। मेरा सीधा और आसान मंत्र छनल तपहीज ंदक भवसक जपहीजष् मतलब शेयर खरीदो और उसे जकड़ के रखो, यही है।

राकेश झुनझुनवाला जी ने अपनी मेहनत और काबिलीयत के दम पर वह मुकाम हासिल कर लिया है, जिससे कि आज उन्हें किसी भी परिचय की जरूरत नहीं है। वो शेयर बाजार के किंग माने जाते हैं। आज वे य। चजमबी स्पउपजमकद्ध और हंगामा डिजिटल मीडिया एंटरटेनमेंट एपटेक लिमिटेड के चेयरमैन हैं। हम उनकी कामयाबी व अपार सफलताओं के लिए प्रार्थना करते हैं।

विजय केडिया

35000 से 650 करोड़ तक का सफर

विजय केडिया का जन्म एक स्टॉक ब्रोकर की फैमिली में हुआ था। उनके दादा जी एक स्टॉक ब्रोकर थे। विजय कोडिया ने अपनी शुरुआत 1978 में स्टॉक मार्किट ट्रेडर के जरिए से की थी।

उन्होंने स्टॉक मार्किट का बिजनेस इसलिए चुना, क्योंकि उनका फैमिली बिजनेस स्टॉक ब्रोकर और इन्वेस्टमेंट का था। वे उसको आगे बढ़ाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने स्टॉक मार्केट में कदम रखा।

पहले उनको इसमें कोई रुचि नहीं थी, लेकिन जब उन्होंने स्टॉक मार्किट में कदम रखा तो उनकी दिलचस्पी धीरे-धीरे बढ़ने लगी और उनका ये फैमिली बिजनेस आगे बढ़ता चला गया।

पहले 10 साल तक अर्थात् 1978 से 1988 तक वह शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते रहे, कभी उन्हें लाभ होता था तो कभी हानि और कभी-कभी तो ऐसा होता था कि उन्हें कुछ भी नहीं मिलता था, जहाँ थे, वहीं पर वापस न आ पाते। विजय जी इससे बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं थे। इसलिए उन्होंने चाय सप्लाय का बिजनेस चालू किया।

वे ट्रेडिंग के व्यापार से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए उन्होंने इन्वेस्टमेंट करना चालू किया और इन्वेस्टमेंट का निर्णय लिया। उन्होंने कम्पनी के फंडामेंटल एनालाइसिस सीखते हुए इन्वेस्टमेंट चालू किया। उस वक्त उनके पास रहने का खुद का घर भी नहीं था।

वह पहले किराये के मकान में रहते थे, और उनके पास सिर्फ 35,000 रुपये ही थे, जो कि वह इन्वेस्ट कर सकते थे। उनका पहला इन्वेस्टमेंट था पंजाब ट्रेक्टर, जो उन्होंने कम्पनी के फंडामेंटल एनालिसिस अच्छे से पढ़कर उसमें निवेश किया था।

पंजाब ट्रेक्टर ने 3 साल बाद उनको 600 प्रतिशत रिटर्न दिया, जो मुनाफा हुआ, वह पैसा उन्होंने ए-सी-सी-सीमेंट, जो बहुत अच्छी कम्पनी है, उसमें इन्वेस्ट किया। उन्होंने जो भी पैसा पंजाब ट्रेक्टर से कमाया, वह उन्होंने ए-सी-सी-य।ब्व्मउमदजद्ध में लगा दिया। ए-सी-सी-स्टॉक में जब पैसा लगाए, तब स्टॉक का भाव 300 रुपये था और एक साल में ही उसका भाव 3000 रुपये हो गया। मतलब एक साल में एक हजार प्रतिशत का रिटर्न मिला अर्थात् 10 गुणा फायदा।

जो ए-सी-सी-में उन्हें मुनाफा हुआ, उससे उन्होंने अपना खुद का एक मकान खरीद लिया। उनके सक्सेसफुल निवेश का सफर चालू हुआ। उन्होंने अमृतांजन हेल्थ केयर, एपकोटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एरीस

एगसे लिमिटेड, एसटेक लाइफ साइंस लिमिटेड, इत्यादि और बहुत सारी कंपनी, जो फंडामेंटली स्ट्रांग थीं, उनमें निवेश करना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे उनकी राशि 35 हजार रुपये से बढ़कर आज 650 करोड़ से भी ज्यादा हो चुकी है।

विजय केडिया की सफलता के मंत्र

स अपनी जीविका के लिए बाजार में अलग निश्चित आय बनाएँ% कभी भी शेयर बाजार की आय पर निर्भर न हों, क्योंकि यह अस्थिर है।

स बाजार के बारे में जागरूक रहें % बाजार आपको आपकी धारणा के अनुसार लाभ देता है। अगर आपको यह लगता है कि निवेश एक जुआ है तो यह जुआ ही है। अगर आपको लगता है कि यह एक व्यवसाय है तो यह एक व्यवसाय है। इस बाजार के बारे में रोजाना जागरूक रहें और अधिक-से-अधिक जानकारी हासिल करते रहें।

स अपनी बचत का एक हिस्सा निवेश करें, न कि सारी आय शेयर बाजार में % इसलिए यदि आपने अपनी बचत का 25 प्रतिशत शेयरों में निवेश करने का फैसला किया है, तो 12 प्रतिशत से 15 प्रतिशत का निवेश करें, क्योंकि यह एक जोखिम भरा व्यवसाय है। इसके अलावा आपको केवल जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर ही एक निश्चित राशि का निवेश करना चाहिए।

स इन्टर डे या ट्रेडिंग का व्यापार न करें % ट्रेडिंग 24 घंटे का व्यवसाय होता है। उधार के पैसे से कभी निवेश न करें, ट्रेडिंग न करें, किसी को इस व्यापार से पैसा कमाते देखकर निवेश न करें।

स केवल पाँच से दस वर्षों के लिए निवेश करें % शेयर बाजार में निवेश की न्यूनतम समय सीमा पाँच साल है। रोम एक दिन में नहीं बनाया गया था, एक कहानी, हर चीज को सफल होने में समय लगता है। मैं हमेशा स्मॉल केप में निवेश करता हूँ, जो आगे समय के साथ-साथ मिडिल केप और बिग केप बन जाते हैं। जब मैंने एक स्मॉल केप कम्पनी को खरीदा था, लोगों ने मुझे निराश किया। उन्होंने कहा यह स्टॉक किसी को सही नहीं है। दो साल तक कंपनी कहीं नहीं गयी। इसके बाद उसने बहुत बड़ा रिटर्न दिया।

स सर्वोत्तम प्रबंधन के साथ ही निवेश करें % यदि आप सबसे अच्छे प्रबंधन के साथ निवेश करते हैं, तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है, प्रबंधक गोल्फ खेल रहा है और हम निवेशक 24 घंटों की चिंता कर रहे हैं, कि कंपनी का क्या होगा। निवेशक होने का क्या फायदा है, प्रबंधन की चिंता न करें, क्योंकि प्रबंधन की प्रतिष्ठा और उसका नाम दोनों दाँव पर हैं।

स आपका निवेश बाजार के अंतर्गत आता है और मुनाफे आपसे संबंधित हैं % जब तक आप निवेश करते हैं, तब तक मुनाफा बाजार से संबंधित होता है। इसलिए जिस शेयर में आज वृद्धि हुई है, उस शेयर की कीमत गिर भी सकती है।

स समय-समय पर मुनाफे को बुक करें % मुनाफे से एक घर खरीदें, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

स मन को संतुलित रखें % आप बाजार के ऊपर जाने पर खुश न हों और नीचे आने से दुःखी मत हों। शारीरिक रूप से, आर्थिक रूप से और मानसिक रूप से मजबूत बनें। किसी को अफसोस करने से कैसे बचना चाहिए?

वह कहते हैं कि इस शेयर को बेचने के बाद वह स्टॉक ऊपर जा सकता है। इसका अफसोस न करें। आप पैसे कमाते हैं। तब भी आपको अफसोस होता है, जब आप पैसा खो देते हैं, तब भी आपको खेद होता है। इसलिए संतुलित मन को बनाए रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

स भाग्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अच्छा कर्म करो % आप अच्छे इनसान बनो। शेयर बाजार एक दिमाग का खेल है, यदि आप अच्छे कर्म कर रहे हैं तो आपका भाग्य आपका साथ देगा।

शेयर बाजार % एक चक्रव्यूह

जैसा कि हमने महाभारत के युद्ध की कहानी सुनी थी, जिसमें एक योद्धा अर्जुन और उसका एक पुत्र अभिमन्यु है। ऐसा कहा जाता है कि अभिमन्यु ने अपनी माता के गर्भ में ही चक्रव्यूह में जाने का ज्ञान सीख लिया था, पर उसे उस चक्रव्यूह से निकलना नहीं आता था। महाभारत के युद्ध के दौरान वह चक्रव्यूह में प्रवेश तो कर गया, परंतु उसे चक्रव्यूह से निकलने का ज्ञान न होने के कारण उसकी मृत्यु हो गयी।

दोस्तो! शेयर मार्केट भी एक चक्रव्यूह की तरह है, जिसमें घुसना हर एक को आ जाता है, पर इसमें से निकलना सबको नहीं पता, जिसके कारण वे शेयर बाजार में अपने निवेश को गँवा बैठते हैं।

इसलिए हम आपको यहाँ पर शेयर बाजार की वह सारी जानकारी दे रहे हैं, जिससे आपका कोई नुकसान न हो। शेयर बाजार में सोच-समझकर तथा कम्पनी को अच्छी तरह से परखकर और हम उसके शेयर को साल के निम्न स्तर पर खरीदते हैं और लाभ के लिए 3-5 साल का समय रखते हैं तो इससे आपको अच्छा मुनाफा होगा। हो सकता है कि साल-भर में आपका पैसा डबल या उससे अधिक भी हो सकता है।

उदाहरण के तौर पर यदि हम इंडियन ऑइल कॉरपोरेशन को देखते हैं, जिसका भाव 1 मई, 2016 को शेयर का मूल्य 216 रुपये था। एक वर्ष बाद अर्थात् 1 मई, 2017 को 441 रुपये था अर्थात् डबल से भी ज्यादा $\mu 100$ प्रतिशत प्रतिशत से ज्यादा मुनाफा, जैसे कि हम आपको पहले भी कह चुके हैं कि आपको शेयर मार्केट में निवेश करते समय यह निश्चित करना होगा कि आपको शेयर मार्केट से कब बाहर आना और किस कीमत पर बाहर आना है।

आप जब निवेश करें तो अपने निर्धारित समय का इंतजार करें या फिर निर्धारित कीमत का और फिर बाहर आ जाएँ। शेयर को खरीदना वर्तमान में बहुत ही सरल हो गया है।

उसी प्रकार शेयर को बेचना भी बहुत ही सरल और सुरक्षित तरीका है, जिसमें शेयरों को बेचने के बाद बिना किसी समस्या के आपका पैसा आपके अकाउंट में सुरक्षित आ जाता है।

शेयर बाजार में निवेश करना कोई सट्टा नहीं है। कुछ लोग शेयर बाजार में निवेश को एक जुए के रूप में भी देखते हैं, मगर यह सच नहीं है। यह लोगों की मान्यता है जैसा कि हमने पहले भी बताया वॉरेन बफेट ने 73 बिलियन डॉलर अर्थात् 4,80,000 करोड़ रुपये शेयर मार्केट से कमाए जिनकी अनुमानित एक दिन की इनकम शेयर मार्केट से 247 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा राकेश झुनझुनवाला ने 5000 रुपये को शेयर मार्केट में निवेश करके 5 हजार करोड़ में बदल दिया। विजय केडिया, जिन्होंने 35000 रुपये को 650 करोड़ में बदला। अगर आप बाजार पर अच्छी तरह से नजर रखते हैं, उसके बाद अच्छी कम्पनियों के शेयर उचित मूल्य पर खरीदते हैं तथा सही समय आने पर उसे बेचते हैं तो आपका खतरा न के बराबर हो जाता है।

शेयर बाजार में सोच-समझकर निवेश करना पैसे कमाने का एक उचित माध्यम है।

शेयर का मूल्य समय के अनुसार धीरे-धीरे घटता-बढ़ता है। अगर कोई आदमी इस मार्केट में अच्छा मुनाफा कमाने की इच्छा रखता है और जल्दबाजी में यदि वह शेयर की खरीद व बेच करता है तो यह देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति शेयर बाजार में नुकसान उठाते हैं।

वहीं उसके विपरीत यदि एक निवेशक सोच-समझकर अपना निजी पैसा लगाता है, शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव जानता है, समझता है और लम्बी अवधि के लिए निवेश करता है तो उसको शेयर बाजार से अवश्य लाभ होगा।

शेयर बाजार

आज भारतीय शेयर बाजार का मूल्यांकन 2 ट्रिलियन यज्जपससपवदद्ध डॉलर 2000 बिलियन डॉलर का है। (एक बिलियन डॉलर 100 करोड़ डॉलर और 6500 करोड़ रुपये) अर्थात् 130,00,000 करोड़ रुपए।

शेयर बाजार क्या है और कैसे काम करता है? जब भी हम किसी बाजार की कल्पना करते हैं तो हमारे दिमाग में ऐसी जगह की इमेज बनती है, जहाँ बहुत-सी दुकानें होती हैं या कोई मॉल, जहाँ जाकर आप खरीददारी कर सकते हैं, मगर शेयर बाजार ऐसा बाजार नहीं है।

शेयर बाजार में शेयर को खरीदने और बेचने का काम पूरी तरह से कम्प्यूटर द्वारा ऑटोमेटिक तरीके से होता है। कोई भी शेयर खरीदने या बेचने वाला व्यक्ति अपने ब्रोकर के द्वारा एक्सचेंज पर अपना आर्डर देता है और पलक झपकते ही पेंडिंग आर्डर के अनुसार तकनीकी सहायता से ऑटोमेटिकली सौदे का मिलान हो जाता है।

शेयर बाजार में बाजार के समय में ब्रोकर अपने ग्राहकों के लिए उनके द्वारा दिए गए आर्डर को टर्मिनल में डाल देते हैं। इसके बदले में ब्रोकर को ब्रोकरेज रकम या कमीशन मिलती है।

शेयर बाजार की मुख्यतः तीन कड़ियाँ हैं। स्टॉक, एक्सचेंज, ब्रोकर और निवेशक ब्रोकर स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य होते हैं और केवल वे ही स्टॉक एक्सचेंज में ट्रेडिंग कर सकते हैं। ग्राहक सीधे जाकर शेयर की खरीद या बेच नहीं सकते। उन्हें केवल ब्रोकर के जरिए ही जाना पड़ता है।

देश में मुख्यतः मुंबई स्टॉक एक्सचेंज यैट्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यैट्स, जिन पर स्टैड स्टॉक होता है।

देश के मुख्यतः सभी बड़े बैंक या उनकी सब्सिडी कंपनियाँ और अन्य बड़ी वित्तीय कंपनियाँ इन एक्सचेंजों में ब्रोकर के तौर पर काम करती हैं।

ग्राहक इन ब्रोकर कंपनियों में जाकर अपने डीमैट अकाउंट की जानकारी देकर अपना खाता ब्रोकर के पास खुलवा सकता है। इस प्रकार ग्राहक का डीमैट अकाउंट ब्रोकर के अकाउंट से लिंक हो जाता है और खरीदे अथवा बेचे गए शेयर्स ग्राहक के डीमैट अकाउंट में ट्रांसफर हो जाते हैं।

इस प्रकार ग्राहक अपना बैंक खाता ब्रोकर के खाते के साथ जोड़ सकता है, जिससे खरीद अथवा बेचे गए शेयरों की धनराशि खाते में ट्रांसफर की जाती है।

ग्राहक के द्वारा खरीदे गए शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप से उसके डीमैट अकाउंट में जमा रहते हैं। जब भी कोई कंपनी डिविडेंड की घोषणा करती है तो उस डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक खाते में डिविडेंड की राशि पहुँच जाती है।

इसी प्रकार यदि कंपनी अपने बोनस शेयरों की घोषणा करती है, तो बोनस शेयर भी शेयर होल्डर के डीमैट अकाउंट में पहुँच जाते हैं। ग्राहक जब शेयर बेचता है तो उसी डीमैट अकाउंट से वह शेयर ट्रांसफर हो जाता है तथा पैसे ब्रोकर के अकाउंट में आ जाते हैं, फिर पैसा ब्रोकर द्वारा आपके बैंक खाते में आ जाता है। जैसे हमने शेयर बाजार के चक्र में दिखाया है।

शेयर क्या होते हैं?

दैनिक बोलचाल की भाषा में जब हम शेयर की बात करते हैं तो हमारा मतलब किसी कम्पनी की इक्विटी से होता है। शेयर बाजार और स्टॉक आमतौर पर एक ही अर्थ रखते हैं। इक्विटी शेयर किसी कम्पनी में आकर उतने स्वामित्व का प्रमाण होता है, जितने इक्विटी शेयर उस कम्पनी के खरीदते हैं।

आजकल यह शेयर आपने आप डीमैट अकाउंट में इलेक्ट्रॉनिक रूप में नेशनल सिक्योरिटी डिपोजिट लिमिटेड यैट्स के किसी भी डिपोजिटरी (बैंक) वित्तीय संस्थान के पास रखे जाते हैं। आपके स्वामित्व का अधिकार आपके शेयर बाजार की संख्या के अनुपात में होता है।

उदाहरण के तौर पर मान लें कि एक कम्पनी के 100 शेयर हैं और आपने उनमें से 10 शेयर खरीद लिए, तो आप कम्पनी के 10 प्रतिशत शेयर का स्वामित्व रखते हैं। ज्यादातर कम्पनियाँ शेयर की फेस वैल्यू निर्धारित करती हैं, बाद में उसकी कीमत बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव पर निर्धारित होती है।

शेयर बाजार में निवेश क्या होता है ?

अपनी जमा पूँजी का जो हिस्सा शेयर मार्केट में शेयर खरीदने में लगाते हैं, उसे निवेश कहते हैं। अगर आप अपनी जमा पूँजी बैंक में रखते हैं तो कुछ समय के बाद उसका मूल्य कम हो जाएगा, क्योंकि जैसे-जैसे महँगाई बढ़ती है, वैसे-वैसे पैसे का मूल्य निरंतर गिरता है।

अतः निवेशक होने के नाते आपको सर्वप्रथम यह निर्णय लेना होगा कि आपको अपने निवेश से मूल्य में वृद्धि की अपेक्षा है या नहीं अर्थात् मान लें कि एक शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये थी, उसको आप उसके मार्केट मूल्य 100 रुपये पर खरीदते हैं और आप यह आशा करते हैं कि इसकी कीमत बढ़कर 100 या 150 रुपये हो जाए या फिर आप अपने निवेश पर नियमित आय चाहते हैं, जैसे मान लें कि आपने किसी महीने शेयर बाजार में 1000 रुपये का निवेश किया।

अगर अब आप चाहते हैं कि इसका मूल्य 1100 रुपये हो जाए, तब मैं इसे बेच दूँ, तब मेरा लाभ 100 रुपये हो जाएगा अर्थात् आपको पता होना चाहिए कि आपका उद्देश्य क्या है। इसके साथ-साथ आप ये भी जाँच लें कि आप जो पैसा निवेश कर रहे हैं, उस पैसे की आपको भविष्य में कब आवश्यकता होगी।

अगर आपकी आवश्यकता उदाहरण के तौर पर एक साल बाद की है तो आप अपने पैसे को एक साल की अवधि के लिए ही निवेश करें। शेयर बाजार में निवेश करना एक कला और विज्ञान है। कुछ लोगों ने शेयर मार्केट से पैसे बनाकर इतिहास रच दिया है।

शेयर की कीमत कम तथा ज्यादा कैसे होती है? इसका जवाब शेयर की माँग तथा पूर्ति के सिद्धान्तों पर आधारित है। जब किसी कम्पनी के शेयर के खरीददार ज्यादा होते हैं तथा वह ज्यादा कीमत देते हैं, तब उस शेयर की कीमत बढ़ने लगती है, जब शेयर को बेचने वाले ज्यादा होते हैं तथा वह कम कीमत पर भी शेयर को बेचने के लिए तैयार हो जाते हैं तो उस शेयर की कीमत गिरने लगती है।

शेयरों में निवेश करने के लाभ % शेयरों में लगाए गए पैसे पर दो प्रकार के लाभ मिलते हैं। (1) शेयर के मूल्य में वृद्धि (2) शेयर के मूल्य पर मिलने वाला लाभांश या डिविडेंड जब बाजार में शेयर का भाव बढ़ता है, तब शेयरों में लगाई गयी पूँजी में वृद्धि होती है।

उदाहरण के लिए अगर आपने एक कम्पनी का शेयर 100 रुपये में खरीदा और बाद में उसे 150 रु- में बेच दिया तो आपको 50 रुपये का फायदा होगा अर्थात् 50 प्रतिशत का प्रॉफिट। शेयरों में लगाया गया पैसा आमतौर पर अन्य निवेश साधनों की अपेक्षा जल्दी बढ़ता है।

जैसा कि हम कुछ शेयरों को देखते हैं कि इंडियन ऑयल कारपोरेशन जिसका भाव 2013 में 100 रुपये था (लगभग)। वर्ष 2017 में 400 रुपये है। ठाट्स जिसका 2012 में 100 रुपये था। वर्ष 2017 में 731 रुपये है।

ऍनड चूँतुं, जिसका भाव सन् 2014 में 200 रुपये था, वर्ष 2017 में 692 रुपये है। भाव तू मूल्य। त्मसपंदबम जिसका भाव वर्ष 2012 में 700 रुपये था वर्ष 2017 में 1365 रुपये है। भ्पदकनेजंद न्दप, जिसका भाव वर्ष 2012 में 400 रुपये था, वर्ष 2017 में 930 रुपये है।

शेयरों से आपको लाभांश के रूप में भी आय मिलती है। कम्पनी अपने वार्षिक मुनाफे का हिस्सा शेयर होल्डरों में बाँटती है, जिसे लाभांश कहते हैं।

जैसा कि शेयर मार्केट के राजा कहे जाने वाले वॉरेन बफेट आज शेयर मार्केट से लगभग 247 करोड़ रुपये प्रतिदिन की आय करते हैं। भारत के राकेश झुनझुनवाला, जिसने 5000 रुपये लगाकर उनके पंद्रह हजार करोड़ में बदल डाला।

केवल कुछ ही लोग इस बाजार को समझ पाते हैं और पैसा बना पाते हैं अन्यथा काफी लोग इस मार्केट में अपने निवेश को गँवा भी देते हैं।

शेयर बाजार में पूँजी की सुरक्षा

जी हाँ, शेयर बाजार में आपकी पूँजी सुरक्षित है, यदि आप कुछ सिद्धान्तों का पालन करें। अपनी सेविंग्स का अध्ययन करें, उसमें से अपनी आयु के अनुसार पैसे को शेयर बाजार में लगाएँ मान लो आपकी आयु 40 वर्ष है तो आप अपनी जमा का (100-40)तु 60 अर्थात् 60 प्रतिशत पैसा शेयर बाजार में लगा सकते हैं।

मान लें आपकी जमा पूँजी 1 लाख है तो आप 60000 रुपये शेयर बाजार में लगा सकते हैं और ध्यान रखें की अपना पैसा 10 से 20 कम्पनियों में जो अलग-अलग क्षेत्र की हों, उसमें लगाएँ। उससे आपका पैसा ज्यादा सुरक्षित होगा।

ध्यान रखने योग्य बातें

स बाजार के उतार-चढ़ाव पर नजर रखें।

स अच्छी कम्पनी के शेयर उचित मूल्य पर खरीदें।

स एक ही कम्पनी में निवेश नहीं करें।

स एक से अधिक कम्पनी में निवेश करें।

स सही समय आने पर मुनाफे के साथ शेयरों को बेचते रहें।

स दीर्घकालीन निवेश की योजना बनाते रहें।

स जी हाँ, अगर आप उपर्युक्त कुछ बातों को समझ लें तो शेयर बाजार में लगाया गया पैसा सुरक्षित है। ऐसा हो सकता है कि शुरुआत में कुछ शेयर की कीमत नीचे जाए और कुछ शेयरों की कीमत ऊपर जाए, पर दीर्घकाल में शेयर बाजार में अच्छी कम्पनियों के शेयर की कीमत हमेशा ऊपर ही जाती है।

अलग-अलग तरह की कम्पनियाँ, जो अलग-अलग क्षेत्रों में काम करती हैं जैसे % बैंक, स्टील, कागज, मेटल, कपड़ा इत्यादि, इन कम्पनियों का प्रबंधन अलग-अलग हाथों में रहता है तथा किसी कारण से एक कम्पनी नुकसान में चली भी जाए तो आपको अन्य कम्पनी के शेयर में किया गया निवेश सुरक्षित करता है।

शेयर बाजार में किया गया निवेश पूरी तरह सुरक्षित होता है, जहाँ पर किसी भी प्रकार की चोरी होने या खो जाने का जोखिम नहीं होता है तथा शेयर बेचने पर आपका पैसा आपके खाते में ही आ जाता है।

प्रापर्टी की अपेक्षा शेयर में काम करना काफी सुरक्षित होता है। प्रापर्टी को बेचते वक्त खरीददार ढूँढना और उसको उचित मूल्य पर बेचना काफी कठिन काम होता है। शेयर बाजार में ऐसा नहीं है।

। दीर्घकालीन अवधि के लिए है शेयर बाजार % छोटी अवधि में शेयर बाजार संवेदनशील होता है। बाजार के अनुकूल अथवा प्रतिकूल समाचार बाजार के घटाव-बढ़ाव को प्रभावित करते हैं, मगर लंबी अवधि में अर्थव्यवस्था का असर बाजार पर अवश्य ही आएगा। यदि कोई कम्पनी आर्थिक प्रगति कर रही है तो देर-सवेर उसका असर उसके बाजार-मूल्यों पर अवश्य ही पड़ेगा।

ठ शार्ट-टर्म के लिए है शेयर बाजार % अगर आप शार्ट-टर्म के लिए शेयर बाजार में निवेश करने की सोच रहे हैं तो वह 1 महीने से 12 महीने तक का होता है। इसमें रिस्क ज्यादा होता है, पर कुछ समझदारी व जागरूकता से रिस्क कवर भी किया जा सकता है।

आप देश की बड़ी व सुरक्षित कम्पनी को चुन लें, जिसके शेयर छपजिल पिजिल में आते हैं, वे देश की चुनिंदा कम्पनी होती हैं और उनका अध्ययन करना शुरू कर दें तथा अब किसी कम्पनी का शेयर 52 ूममो सबू पर ट्रेड कर रहा हो तो उसमें निवेश कर सकते हैं।

अपना लाभ निश्चित करके उसकी कीमत की प्रतीक्षा करें। जब कीमत आ जाए, तब और लालच न करके उसे बेच दें और मुनाफा कमाएँ।

बू इण्ट्रा डे शेयर बाजार % यह बाजार का एक रूप है, जिसमें आप एक दिन के लिए ट्रेड करते हैं। ये शेयर बाजार का बहुत-ही खतरनाक रूप है। इसमें बहुत ही विशेषज्ञ ज्ञान की आवश्यकता होती है इसके बिना इस बाजार में न जाएँ, क्योंकि इसमें नुकसान होने की बहुत ज्यादा संभावना है। इसमें शेयर उसी दिन में खरीदा या बेचा जाता है।

कम्पनी क्या होती है ?

कम्पनी एक प्रकार का व्यापार संगठन होती है, जिसे कुछ लोग मिलकर चलाते हैं। शुरुआत में कुछ मूलधन लगाया जाता है, जिसे पूँजी यबंचजपसद्ध कहते हैं, बाद में पब्लिक के जरिए पूँजी को एकत्रित किया

जाता है और वह भी जो शेयर खरीदारी है वो शेयर के मालिक होते हैं। शेयर होल्डर से लिए गए पैसों को इक्विटी कैपिटल कहते हैं। कम्पनी कैपिटल, बैंक व आर्थिक संस्थाओं से भी ले जा सकती है। कम्पनी दो प्रकार की होती है।

(1) प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी। यह कम्पनी अपने शेयर केवल अपने जानकर या परिचित को ही बेच सकती है तथा यह अपने शेयर पब्लिक को नहीं बेच सकती है। यह कम्पनी सामान्यतः छोटे-छोटे आकार की होती है।

(2) पब्लिक लिमिटेड कम्पनी। ये वे कम्पनी हैं, जो अपना शेयर, शेयर बाजार में निकाल सकती हैं। साधारण तौर पर यह अपना पब्लिक यूपजपवदंस च्चइसपब व्मिमतद्ध लेकर बाजार में आती है तथा अपने शेयर बाजार में बेचती है। इसे प्राइमरी बाजार भी कहते हैं।

एक बार आईपीओ पूरा होने के बाद साधारणतया कम्पनी अपने और शेयर बाजार में नहीं बेचती है, उसके शेयर होल्डर बाजार में उनको खरीद व बेच सकते हैं। इसको सेकेंडरी बाजार भी कहते हैं।

कुछ प्रचलित कम्पनियों के प्रकार।

यद्ध भू-राष्ट्रीय कम्पनी यडछब्द्ध आपने कई बार भू-राष्ट्र कम्पनी के बारे में सुना होगा। ये वो कम्पनियाँ होती हैं, जिसका 40 प्रतिशत से अधिक इक्विटी कैपिटल स्वामित्व विदेशी कम्पनी का होता है। इन कम्पनियों का प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय स्तर का होता है। इस तरह की कम्पनी में निवेश करना फायदे का सौदा हो सकता है।

यडद्ध ब्लू चिप कम्पनी % सामान्यतः ब्लू चिप कम्पनी ऐसी कम्पनी को कहा जाता है, जो देश में काफी बड़े पैमाने पर काम करती है तथा इसमें प्रयोग किए जाने वाली तकनीक उच्च स्तर की होती है। इनका प्रबंधन और प्रशसन बहुत ही कुशल होता है।

ब्लू चिप शेयर के तीन प्रकार हम आपके सामने प्रस्तुत कर रहे हैं, उनके मार्केट कैपिटलाइजेशन के साथ।

(1) सेंसेक्स में आने वाली 30 कम्पनी

(2) निफ्टी में आने वाली 50 कम्पनी

(3) ब्लू चिप में आने वाली 100 कम्पनी।

देश में इनका व्यापार बहुत बड़े पैमाने पर होता है। इनका व्यापार करने का मॉडल बहुत ही समझदारी से बनाया गया होता है तथा इनके द्वारा बनाए जा रहे प्रोडक्ट या इनके द्वारा दिए जाने वाली सेवा हर छोटे-बड़े लोगों की जरूरत होती है। इस तरह की कम्पनियों में निवेश करना काफी समझदारीवाला तथा फायदे का सौदा होता है। इसमें निवेश करके लाभ की अधिक-से-अधिक संभावना होती है।

हम आपके आगे सेंसेक्स में आने वाली 30 कम्पनियाँ तथा निफ्टी में आने वाली 50 कम्पनियाँ तथा ब्लू चिप में आने वाली 100 कम्पनियों की उनके मार्केट कैपिटलाइजेशन के साथ विस्तर में बता रहे हैं।

अच्छी कम्पनियों का चयन कैसे करें

क्या वह कम्पनी उच्च-स्तरीय है ?

क्या उस कम्पनी का प्रबंधन काफी पुराना है ?

क्या उसका व्यापार पिछले कई सालों से चल रहा है ?

क्या उसका मुनाफा हर साल बढ़ रहा है ?

क्या उसके व्यापार के भविष्य में बढ़ने की संभावना है ?

क्या उसके उत्पाद उच्च-स्तरीय हैं ?

क्या उस कम्पनी के द्वारा अपनाई गयी तकनीक बेहतर तथा आधुनिक है। आप सोच रहे होंगे कि हम यह सब जानकारियाँ कहाँ से हासिल करेंगे।

दोस्तो आज का युग इंटरनेट का युग है और उसके लिए आप इंटरनेट पर जाकर किसी भी कम्पनी के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

अगर संभव हो तो बाजार में जाकर उसके बनाए गए उत्पाद को देखकर या खरीदकर उसकी गुणवत्ता की

जानकारी ले सकते हैं। इतनी सब जानकारी करने के बाद सोच-समझकर आप ऐसी कम्पनियों में निवेश कर सकते हैं।

शेयर होल्डर के अधिकार

हर कंपनी की एक कानूनी इकाई यस्महंस म्दजपजलद्ध होती है। शेयर होल्डर से वह पूर्ण रूप से व्यापार करने के लिए स्वतंत्र होती है। कम्पनी के डायरेक्टर कम्पनी के शेयर होल्डर के लिए व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार नहीं होते हैं। शेयर होल्डर की जिम्मेदारी सिर्फ उस कम्पनी में उसके शेयरों तक सीमित होती है। जो शेयर खरीदने के बाद पूरी होती है।

अगर कम्पनी के शेयर का मूल्य गिर जाता है या शून्य हो जाता है। कम्पनी दिवालिया घोषित हो जाती है तो ऐसी स्थिति में शेयर होल्डर कम्पनी पर अपनी हानि का दावा नहीं कर सकता।

कम्पनी आपसे उसकी कर्जदारी का कोई पैसे देने के लिए न तो कह सकती है, और न ही बाध्य कर सकती है। आपका कम्पनी की किसी भी तरह के आर्थिक व कानूनी परेशानियों से कोई सम्बन्ध नहीं होता। शेयर होल्डर होने के नाते आप कभी भी कम्पनी के शेयर को वर्तमान भाव पर खरीद या बेच सकते हैं तथा अपने शेयर को कानूनी रूप से किसी को भी वसीयत भी कर सकते हैं या हस्तांतरित भी कर सकते हैं।

शेयर मार्केट के दो रूप

बुल मार्केट और बीयर मार्केट

तेजडिये (बुल मार्केट) % यह एक बाजार का बहुत ही गोल्डन रूप होता है। इसके अन्दर देखा गया है कि शेयर के दाम दिन-प्रतिदिन बढ़ते हैं और लोगों को दिन-प्रतिदिन मुनाफा होता है या फिर निवेशकों का मुनाफा दिन-प्रतिदिन बढ़ता चला जाता है।

इस दौर के अन्दर ब्लू चिप कम्पनी डछबू में किया गया निवेश काफी फायदे का सौदा होता है। ऐसे समय में कुछ (आई- पी- ओ-) यन्दपजपंस चनइसपब विमितद्ध भी आते हैं और निवेशकों को काफी मुनाफा दे जाते हैं।

मन्दडिये (बीयर मार्केट) % यह बाजार का ऐसा दौर होता है, जब बाजार में शेयर के भाव प्रतिदिन गिरते हैं तथा भविष्य में और भी गिरने की संभावना रहती है। इस बाजार में लोगों का नजरिया बड़ा ही निराशावादी होता है और वह भविष्य में शेयर को अपने पास रखकर सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे होते हैं।

बाजार में शेयर के भाव दिन-प्रतिदिन गिरने का खतरा बनता रहता है और जिसका प्रभाव बाजार में दिन-प्रतिदिन और मंदी लाता रहता है। उसको बीयर मार्केट कहते हैं।

फ्यूचर्स यथनजनतमेद्ध

फ्यूचर्स यथनजनतमेद्ध रू μशेयर बाजार का नकद बाजार और फ्यूचर्स बाजार अलग-अलग तरीके से काम करता है। फ्यूचर बाजार में केवल कुछ चुनिंदा कम्पनियों के शेयरों में ही निवेश किया जा सकता है। इसमें कम्पनियों के शेयर का एक लॉट होता है। उदाहरण के तौर पर मान लीजिए आप रिलायन्स का एक लॉट खरीदते हैं।

अब आप रिलायन्स का एक लॉट खरीदते हैं, जिसका साइज 500 शेयर का होता है। रिलायन्स के एक शेयर का मूल्य 1400 रुपये है अर्थात् इस पूरे लॉट की कीमत लगभग 7 लाख रुपये हुई। अब आपको केवल 10 या

20 प्रतिशत के मार्जिन पर ये फ्यूचर मिल जाता है कि एक महीने के लिए, जिसे आप कान्ट्रेक्ट अवधि कहते हैं मान लो एक महीने में अर्थात् 1400 रुपये का शेयर 1500 रुपये का हो गया।

मान लें आपको प्रति शेयर 100 रुपये का मुनाफा हुआ। 500 शेयर पर 50,000 रुपये का मुनाफा हो गया। अब आपका मार्जिन 70000 रुपये पर 50000 रुपये का लाभ होता है तो 1,20,000 रुपये आपके खाते में आ जाते हैं। अब मान लें कि आपको प्रति शेयर 100 रुपये का नुकसान हुआ अर्थात् 1400 रुपये का शेयर 1300 रुपये का हो गया। अब आपका नुकसान हुआ 500 शेयर पर 50,000 रुपये का।

अब मान लें कि आपने मार्जिन के रूप में 70,000 रुपये जमा किए थे। उसमें से 50,000 रुपये का नुकसान काटकर 20,000 रुपये आपके खाते में वापस आ जाते हैं।

फ्यूचर्स में काम करना बहुत ही जोखिम भरा होता है। इसके अन्तर्गत किसी भी निवेशक को बिना विशेषज्ञ ज्ञान या जानकारी के कार्य नहीं करना चाहिए।

ऑप्शन्स यव्वजपवदेद्ध

ऑप्शन्स यव्वजपवदेद्ध भी एक प्रकार का शेयर बाजार का फ्यूचर्स कारोबार है। जब भी आप किसी कान्ट्रेक्ट पर ऑप्शन्स खरीदते हैं, आप कान्ट्रेक्ट की अवधि-समाप्त होने से पहले उसे किसी भी समय पर खरीदने या बेचने के अधिकार के लिए एक प्रीमियम चुकाते हैं, जिस दाम से आपको लाभ हो सकता है या आपका नुकसान कम-से-कम हो सकता है।

अगर आप कान्ट्रेक्ट को समाप्त करने के लिए इस ऑप्शन्स यानी विकल्प का प्रयोग करते हैं तो आपको उस प्रीमियम का नुकसान होगा, जो आपने ऑप्शन खरीदने के लिए चुकाया था, अतः फ्यूचर्स की अपेक्षा ऑप्शन्स अधिक सुरक्षित है, क्योंकि फ्यूचर्स में नुकसान की कोई सीमा नहीं होती है।

ऑप्शन्स मूलतः दो प्रकार के होते हैं—काल ऑप्शन्स और पुट ऑप्शन लोग शेयर बाजार में जिस शेयर को खरीदना चाहते हैं, उस शेयर में तेजी की उम्मीद रखते हैं। वे खासतौर पर काल ऑप्शन्स खरीदते हैं, दूसरी ओर जो मन्दी की उम्मीद रखते हैं, वे लोग पुट ऑप्शन्स खरीदते हैं।

ये कारोबार बड़ा जटिल है, इसमें विशेष अनुभव की आवश्यकता होती है और नये निवेशक इससे दूर ही रहें तो बेहतर होगा।

निवेश के पूर्व शेयर की जाँच-पड़ताल

निवेश के पूर्व शेयर की जाँच-पड़ताल सबसे पहले हम कुछ अच्छी कम्पनियों का चयन करें। उसके बाद शेयर की बुक वैल्यू देखें, जो उसका मूल दाम होता है, जिस दाम पर कम्पनी ने कम्पनी की सम्पत्ति को सबसे पहले खरीदा था।

इसके बाद उसकी प्रति शेयर आमदनी यम्बद्ध जिससे हमें यह पता लगता है कि उस कम्पनी की कुल आमदनी का प्रति शेयर क्या आता है। इससे यह पता लगाया जा सकता है कि कम्पनी की प्रति शेयर आमदनी क्या है।

इसके बाद शेयर मूल्य और आमदनी का अनुपात यच्च/मू तंजपवद्ध इसके अनुसार शेयर के मूल्य और प्रति शेयर के आमदनी के अनुपात की जानकारी भी निवेशक के लिए बहुत आवश्यक है। इसका अनुपात का अंक अगर 10 से 20 के मध्य में रहता है और जब यह अनुपात कम हो, तब आप उस कम्पनी में निवेश कर सकते हैं।

52 विक लो तथा हाई एक अच्छे निवेशक के लिए यह भी जानना बहुत जरूरी है कि शेयर का मौजूदा भाव 52 मंा सबू के आस-पास चल रहा हो तो वह समय उस कम्पनी में निवेश करने के लिए एक अच्छा समय है तथा जब हम उचित कीमत की बात कहते हैं तो यह समय शेयर की एक तरह से उचित कीमत भी होती है।

रिटर्न ओन कैपिटल एम्पलाएड सरल भाषा में कहें तो कम्पनी के वचतमंजपदह चतवपिज रिटर्न ऑन

केपिटल एम्पाइल्ड यत्नवर्णमण्ड जान सकते हैं। तन्वर्णम् कम्पनी की आमदनी और प्रदर्शन की सही तस्वीर दिखती है।

रिटर्न ऑन नेटवर्थ यत्नवर्णमण्ड रिटर्न ऑन नेटवर्थ पाने के लिए शुद्ध लाभ को नेटवर्थ से भाग किया जाता है। इस मूल अनुपात से निवेशक यह जान सकता है कि उस कम्पनी में निवेश के बदले उसे क्या मिल रहा है। इसकी सहायता से कम्पनी की कार्य-कुशलता, वित्तीय क्षमता और कारोबार में हो रही आमदनी को माप सकते हैं।

टिप्स से दूर रहें % आप भी कहेंगे कि अरे यह क्या घालमेल है। अभी कह रहे हैं कि मैं आपको टिप्स देता हूँ और साथ में ही कह रहे हैं कि टिप्स से दूर रहें, हम आपको किस कंपनियों के शेयरों में निवेश करें ऐसे टिप्स नहीं देने वाले हैं।

हम आपको यह बता रहे हैं कि कैसे शेयर बाजार में निवेश करें, तो मित्रो! सबसे पहली बात यह कि किन्हीं रिश्तेदारों और ब्रोकरों के बताए टिप्स पर अथवा बाजार में फैलाई गयी अफवाहों के आधार पर कभी निवेश न करें। यह अत्यंत ही खतरनाक भी हो सकता है।

स्वयं को शिक्षित करें % वैल्यू शीट तथा कंपनियों के नतीजों को पढ़ना और समझना सीखें। यदि आपकी शिक्षा कामर्स स्त्रीम से नहीं है, तो थोड़ा इ/ार-उ/ार से जानकारी एकत्र करें। नियमित रूप से इकनॉमिक टाइम्स जैसे समाचार-पत्र पढ़ें और ब्लूटूथ आवाज जैसे चैनल देखें।

अधिक जानकारीयाँ एकत्रित करें % इसके अलावा इंटरनेट पर निवेश संबंधी जानकारीयाँ एकत्रित करते रहें। जब आपको बाजार के बारे में आत्मविश्वास जागने लगे तो भी निवेश करने से पहले दो-तीन कंपनियों को चुन लें, जहाँ आपको लगे कि आपका निवेश करना सही रहेगा।

उसके बाद उन कंपनियों के भावों पर नियमित नजर रखें। कम-से-कम एक महीना अपनी इन कंपनियों पर नजर रखें। यदि लगे कि आपका चुनाव सही है तो आप बाजार में निवेश करने के बारे में सोच सकते हैं।

शुरुआत निवेश कम पूँजी से करें % शुरुआत में नाम मात्र निवेश करें, अनुभव प्राप्त करें। एकदम से बड़ी रकम दाँव पर न लगाएँ। वैसे भी बाजार में एक साथ बड़ा निवेश करने से बचना चाहिए और अपनी पूँजी का एक हिस्सा नियमित रूप से निवेश करना ही चाहिए।

आयु के हिसाब से निवेश % जैसे कि हम पहले ही बता चुके हैं, अपनी आय के हिसाब से ही शेयर बाजार में पैसा लगाएँ। 100 में से आयु को घटाकर उतना प्रतिशत लगभग 10 से 20 कंपनियों में निवेश करें।

शेयर बाजार और इनकम टैक्स

हर देश की सरकार यह चाहती है कि उसकी जनता उस देश की कंपनियों के शेयर खरीदे तथा बेचे और लाभान्वित हो। भारत सरकार भी यही चाहती है। जैसा आप जानते हैं कि भारत में शेयर बाजार का मूल्यांकन 2 ट्रिलियन डॉलर से भी ज्यादा है।

भारत में आपके शेयरों की खरीद-बेच होनेवाली आय पर आय कर में काफी छूट मिलती है।

शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन अगर आप शेयर बाजार में कोई भी शेयर लेते हैं और एक साल में उस शेयर को बेच देते हैं तो वह शॉर्ट टर्म कैपिटल कहलाएगा। आपको होनेवाला लाभ आपकी इनकम आय कर अ/िनियम की /ारा 111ए के अन्तर्गत में शामिल हो जाएगा और उस पर आपको 15 प्रतिशत की दर से आय कर देना होगा।

लांग टर्म कैपिटल गेन य2ज्बद्ध % लांग टर्म कैपिटल गेन में आप किसी भी कम्पनी के शेयर खरीदते हैं। यदि एक साल बाद उसे बेचते हैं तो उसके लाभ पर आय कर नहीं लगेगा। यह आय कर अ/िनियम की /ारा 10(38) के अन्तर्गत आता है। जी हाँ, भारत सरकार भी यही चाहती कि आप शेयर में निवेश दीर्घकालीन में करें और जब आप मुनाफा करें तो आपको भारत सरकार को किसी भी प्रकार का आय कर नहीं देना होगा। है न खुशी की बात।

देखा निवेश से फायदा भी हो गया और आय कर भी बच गया।

जब आप कोई जॉब या व्यवसाय से आय करते हैं तो आपको 30 प्रतिशत से भी अधिक आयकर चुकाना पड़ता है और जब आप शेयर बाजार से आय करते हैं यस्वदह जमतउ बंचपजंस ठंपदद्ध तो उस पर सरकार को कोई भी कर नहीं चुकाना होता है।

शेयर बाजार में कम्पनी डिविडेंड भी देती रहती है, यह भी आय कर से पूर्ण रूप से मुक्त है। यह आय कर अ/िनियम की /ारा 10(34) के अन्तर्गत आता है।

मुद्रास्फीति यद्सिंजपवदद्ध

मुद्रास्फीति यद्सिंजपवदद्ध % मुद्रास्फीति यानी प्दसिंजपवद को परिभाषित करना आसान नहीं है। प्दसिंजपवद मुद्रास्फीति का शाब्दिक अर्थ है मुद्रा का फैलना, तकनीकी परिभाषा में न जाकर इसको आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। मुद्रास्फीति का अर्थ इसी में छिपा है।

वस्तु एवं सेवाओं की कीमतों के स्तर में लम्बे समय तक होने वाली वृद्धि को मुद्रास्फीति कहते हैं। इसके कारण मुद्रा की प्रत्येक इकाई से पहले की अपेक्षा कम वस्तुएँ एवं सेवाएँ खरीदी जाती हैं अर्थात् मुद्रास्फीति मुद्रा की क्रय-क्षमताओं को घटा देती है।

सरल शब्दों में वस्तु की माँग बढ़ने पर उस मात्रा में पूर्ति न बढ़ने पर वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होती है। यह स्थिति दीर्घकाल तक बनी रहे तो उसे मुद्रास्फीति कहते हैं।

अगर आपका पैसा बैंक में रखा हुआ है और हर साल उस पर 8 प्रतिशत के हिसाब से आपको ब्याज मिलता है तो 1000 रु- बैंक में है, उस पर ब्याज के रूप में साल में 80 रुपये मिलते हैं और एक हजार का सामान अगले साल 1100 में आता है तो इस प्रकार आपका पैसा मुद्रास्फीति की वजह से और कम हो जाएगा।

के-वाई-सी- यज्ञण्णद्ध क्या है।

बैंक में खाता खोलना हो, फिक्स्ड डिपोजिट बनवाना हो, म्यूच्युअल फंड खरीदना हो या बीमा लेना हो, आपसे एक फार्म भरवाया जाता है, जिसे ज़ल्ब यानी ज़दवू ल्वनत ब्रेजवउमत को साधारण हिंदी में कहेंगे अपने ग्राहक को जानिए। बैंक तथा वित्तीय कम्पनियाँ इस फार्म को भरवाकर इसके साथ कुछ पहचान के प्रमाण भी लेती हैं।

जिसके जरिये वे अपने ग्राहक की पहचान की पुष्टि करते हैं। केवाईसी उस अपनी पहचान की पुष्टि के लिए एक व्यापार की प्रक्रिया है। भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा सभी बैंकों के लिए ग्राहकों से केवाईसी भरवाना अनिवार्य किया गया है।

ज़ल्ब भरवाने का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जाने या अनजाने में कोई असामाजिक तत्त्व बैंकिंग प्रणाली का अनुचित प्रयोग अपनी गतिविधियों के लिए न कर पाये। अपराधियों द्वारा नकली पते बताकर खाता खोलने की कोई भी कोशिश केवाईसी के द्वारा रोकी जा सकती है।

बैंक भी अपने ग्राहकों को ज़ल्ब द्वारा बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। उनके वित्तीय लेन-देन को समझकर उनकी जरूरतों को अच्छे से पूरा कर सकते हैं। बैंक में के-वाई-सी- के लिए ग्राहक की पहचान, नाम-पते की

पुष्टि करने के लिए फोटो तथा एड्रेस प्रूफ यानी पते का प्रमाण लिया जाता है।

बैंक में खाता खोलने के अलावा लोन लेने, लॉकर लेने, क्रेडिट कार्ड बनवाने, म्यूच्युअल फंड खरीदने तथा बीमा आदि लेने पर भी जल्बु फार्म भरने की आवश्यकता पड़ती है।

बैंक में लेन-देन के लिए खाता खुलवाने के लिए जल्बु फार्म भरना अनिवार्य है। यदि आप यह फार्म नहीं भरते हैं तो बैंक आपको खाता खोलने से मना भी कर सकता है।

आजकल भारत सरकार हर बचत योजना तथा स्कीम को आ/धार कार्ड से जोड़ती जा रही है इसमें आपको अपना आ/धार कार्ड जमा करना होता है।

संक्षेप में शेयर बाजार

- स भारत में लगभग शेयर बाजार में 5600 कम्पनी हैं।
- स भारत में शेयर बाजार का मूल्यांकन लगभग 2 ट्रिलियन यज्त्पससपवद कवससंतद्ध का है।
- स भारत में शेयर बाजार का मूल्यांकन लगभग 130000 करोड़ रुपये का है।
- स भारत की जी-डी-पी यळणक्ण्णद्ध वर्ष 2016 में 2-2 बिलियन डॉलर की थी।
- स सेंसेक्स में शामिल 30 ब्लू चिप कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन लगभग 51 लाख करोड़ रुपये है।
- । पूरे मार्केट का लगभग 40 प्रतिशत।

- स आयु के हिसाब से शेयर मार्केट में निवेश करें।
(फॉर्मूला 100-आयु) प्रतिशत
- स भारत की 100 ब्लू चिप कंपनी का मार्केट का कैपिटलाइजμ87 लाख करोड़ रुपये है, लगभग 67 प्रतिशत है।

स मि- वारेन बफेट, जिन्होंने शेयर बाजार में 4,80,000 करोड़ रुपया बनाया। उनकी आय आज प्रतिदिन लगभग 247 करोड़ रुपये है।

- स मि- वारेन बफेट के शेयर बाजार में पैसे बनाने के मंत्र
- स लाभ का निवेश करें।
- स लीक से हटकर चलें।
- स दुविधा से बचें।
- स निर्णय लेने से पहले सौदे को समझ लें।
- स छोटे खर्चों पर नियन्त्रण रखें।
- स निरंतरता बनाए रखें।
- स नुकसान से दूर रहें।
- स जोखिम का आकलन करें।
- स सफलता का सही अर्थ समझें।

राकेश झुनझुनवाला

इन्होंने 5000 रुपये को 15000 करोड़ रुपये में बदला।

विजय केडिया

इन्होंने 35000 रुपये को 650 करोड़ रुपया में बदला।

विजय केडिया के सफलता के मंत्र

- स अपनी जीविका के लिए बाजार से अलग निश्चित आय बनाएँ।
- स बाजार के बारे में जागरूक रहें।
- स अपनी आय का एक हिस्सा जरूर निवेश करें।
- स इन्टरडे या ट्रेडिंग का व्यापार न करें।
- स केवल 5 से 10 वर्षों का निवेश करें।
- स सर्वोत्तम प्रबन्ध के साथ ही निवेश करें।
- स आपका निवेश बाजार के अन्तर्गत आता है और मुनाफा आपसे संबंधित होता है।

स समय-समय पर मुनाफे को बुक करें।
 स मन को सन्तुलित रखें।
 स भाग्य एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
 स शेयर मार्केट में अर्जुन बनकर उतरें न कि अभिमन्यु, जो चक्रव्युह में फँसकर अपनी जान गँवा बैठा।
 स शेयर बाजार कैसे काम करता है।
 स इसमें मुख्य तीन कड़ियाँ हैं—स्टॉक एक्सचेंज, ब्रोकर तथा निवेशक स्टॉक एक्सचेंज।
 स शेयर क्या होता है—किसी भी कंपनी की इक्विटी को शेयर बोलते हैं।
 स शेयर में निवेश क्या होता है—जब आप अपनी जमा पूँजी से शेयर खरीदते हैं।
 स शेयर बाजार में शेयर की कीमत माँग तथा पूर्ति पर निर्धारित होती है।
 स शेयर में निवेश करने का लाभ—शेयर खरीदने तथा बेचने के बीच में जो अंतर आता है, उस शेयर को बेचने की कीमत खरीददारी से ज्यादा हो तो उसे लाभ कहते हैं।
 स शेयर बाजार में पूँजी की सुरक्षा।
 स अपनी बचत तथा अपनी आयु के अनुसार निवेश करें।
 स अच्छी कंपनी के शेयर उचित मूल्य पर खरीदें।
 स एक से ज्यादा कंपनी में निवेश करते रहें।
 स सही समय आने पर मुनाफे के साथ उस शेयर को बेचें।
 स दीर्घकालीन निवेश की योजना बनाते रहें।
 स बाजार के तीन रूप हैं।
 स दीर्घकालीन अवधि का शेयर बाजार % एक साल से ज्यादा के निवेश के लिए
 स शार्ट टर्म अवधि के लिए शेयर बाजार साल से कम के निवेश के लिए होता है।
 स इंटरडि शेयर बाजार—एक दिन के लिए ट्रेड होता है।
 स कंपनी दो प्रकार की होती है।
 स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी।
 स पब्लिक लिमिटेड कंपनी।
 स कुछ प्रचलित कंपनियाँ।
 स भू राष्ट्रीय कंपनी।
 स ब्लू चिप कंपनी।
 स बुल मार्केट—एक तेज रूपी मार्केट।
 स बीयर मार्केट—मन्दी की मार्केट।
 स फ्यूचर्स—शेयर बाजार से मार्जिन देकर शेयर खरीदना।
 स शेयर बाजार में फ्यूचर्स के कारोबार के लाभ तथा हानि के साथ तथा पुट के माध्यम से सीमित करना।
 स निवेश से पूर्व कुछ जाँच-पड़ताल करें।
 स 52 वीक लो देखकर खरीदें।
 स पी ई यच/मूव रेशे देखें।
 स रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लाइड यत्नबुद्ध देखें।
 स रिटर्न ऑफ नेटवर्थ यत्नबुद्ध देखें।
 स जहाँ तक हो टिप्स से दूर रहें।
 स स्वयं को शिक्षित करें।
 स अ/िक जानकारीयाँ एकत्रित करें।
 स कम पूँजी से निवेश करें।
 स आयु के हिसाब से निवेश करें।